B.A. (Honours) Examination, 2018
Semester-II
Hindi (Honours)
Course : H-4 (Old)
(निबंध)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8=16

(क) हँसी वैर और बदनामी की शत्रु है और मलाई की सखी। हँसी स्वभाव को अच्छा करती है। जी बहलाती है और बुद्धि को निर्मल करती है। हँसी सजे-सजाये घर के समान है। मनुष्य रोने के लिए ही नहीं बनाया गया है। हँसने के लिए ही आदमी बना है।

(ख) क्रोध सब मनोविकारों से फुरतीला है। इसी से अवसर पड़ने पर यह ओर दूसरे मनोविकारों का भी साथ देकर उनकी तुष्टि का साधक होता है। कभी वह दया के साथ कूदता है, कभी घृणा के।

(ग) बृहत्तर जीवन में अस्त्र-शस्त्रों का बढ़ने देना मनुष्य की पशुता की निशानी है और उनकी बाढ़ को रोकना मनुष्यत्व का तकाजा है। मनुष्य में जो घृणा है, जो अनायास-बिना सिखायेआ जाती है, वह पंगुत्व का द्योतक है और अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है।

(घ) शक्तिशाली की विनय कायरता नहीं होती और हिमालय अपनी उँचाई में बड़ा है, सागर अपनी गहराई में बड़ा है, तो विन्ध्य अपने विनय के विस्तार में बड़ा है ऐसा विस्तार जो संस्कृति के सभी कीर्ति-स्तम्भों को व्याप्त करके फैला हो।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : 2×12=24

(क) बालमुकुन्द गुप्त के निबंध 'हँसी-खुशी' की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) रामचन्द्र शुक्ल की निबंध-लेखन-शैली की समीक्षा कीजिए।

(ग) पठित निबन्धों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हजारीप्रसाद द्विवेदी ने अपने निबन्ध के माध्यम से मनुष्य को उसके पूरे सांस्कृतिक-ऐतिहासिक परिवेश को मूर्त्त करने का प्रयत्न किया है।

(घ) 'विद्यानिवास मिश्र के निबंध आधुनिक भाव-बोध एवं लोक जीवन की स्वच्छन्द प्राणमयी रसधारा का अद्‌भुत सामंजस्य हैं" इस कथन की सार्थकता की समीक्षा कीजिए।